This question paper contains 8+3 printed pages]

Your Roll No. ....

2082

LL.B. D

III Term

Paper LB-3034—PRIVATE INTERNATIONAL LAW

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Discuss the meaning, nature, scope and unification of Private International Law. 20

प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के अर्थ, स्वरूप, व्याप्ति तथा एकीकरण का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

2. What do you understand from the term "domicile" ? Differentiate between domicile of choice and domicile of origin referring to judicial precedents.

Explain where 'A' is domiciled in the following case and give reasons in support of your answer :

'A' is aged 14 years, born in India in 1996 and 'A's' father 'B' left for France in 1998 and resided there for 12 years. 'B' was living in France when he died in 2010. 'B' had always been writing to his family that he will try to seek a job in India and would come back soon. Before moving to France 'B' was living with his parents, wife and 'A'. 'B's' father 'C' was born and was living in Lahore with his family and was domiciled there before migrating to Delhi after partition in 1947. 'C' was granted the citizenship of India under Article 5 of the Constitution of India. 20

'अधिवास' शब्द से आपका क्या अभिप्राय है ? न्यायिक पूर्वनिर्णयों को निर्दिष्ट करते हुए चयनित अधिवास और मूल अधिवास की सुभिन्नता दर्शाइये ।

निम्नलिखित मामले में A कहाँ अधिवासित है इसको स्पष्ट कीजिए तथा अपने उत्तर की सकारण पुष्टि कीजिए :

14 वर्षीय A का जन्म भारत में 1996 में हुआ था तथा A के पिता B, 1998 में फ्रांस चले गए थे तथा वहाँ 12 वर्षों तक रहे थे । जब 2010 में B की मृत्यु हुई तब वह फ्रांस में रह रहा था । B अपने परिवार को हमेशा लिखता रहता था कि वह भारत में जॉब ढूँढ़ने की कोशिश करेगा तथा शीघ्र ही वापस लौट आएगा । फ्रांस जाने से पहले B अपने माता-पिता, पत्नी तथा A के साथ रहता था । B के पिता C अपने परिवार सहित लाहौर में रहते थे और पैदा हुए थे और 1947 में बंटवारे के बाद दिल्ली प्रवास करने से पहले वहीं अधिवासित थे । C को भारत के संविधान के अनुच्छेद 5 के अधीन भारत की नागरिकता प्रदान की गई थी ।

3. Explain the proper law of contract in Private International Law with reference to decided cases. 20

विनिश्चित केसों के निर्देश सहित प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि में संविदा की समुचित विधि को स्पष्ट कीजिए ।

4. What are the rules of Private International Law governing the essential and formal validity of marriage ? Discuss with reference to decided cases. 20

विवाह की आवश्यक तथा औपचारिक वैधता को अधिशासित करने वाली प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के नियम क्या हैं ? विनिश्चित केसों के निर्देश सहित विवेचन कीजिए ।

5. 'X' a Hindu female married 'Y' a Hindu male at Delhi in accordance with Hindu rites, in 2004. Immediately after marriage both 'X' and 'Y' went to New York and stayed together for four years at New York. They were blessed with two children, the first in 2005 and the second child in 2008. After the birth of second child 'X' came back to India in 2009 and admitted

the first child in the Delhi Public School. Delhi. In 2010, 'Y' moved to Pittsburg where he stayed for four months and filed the petition of divorce in Pittsburg. According to the law of Pittsburg if a person is resident for 90 days in the state, he/she can file a petition for dissolution of marriage. 'X' sent her reply under protest and did not submit to the jurisdiction of court. The court of Pittsburg granted ex-parte decree of dissolution of marriage to 'Y'. 'Y' married 'Z' immediately after the passing of decree. 'X' wants to file a case of bigamy. Argue the case for 'X' explaining the law relating to recognition and enforcement of foreign decrees in India. Refer to judicial precedents. 20

हिन्दू महिला X ने हिन्दू रीति-रिवाज के साथ 2004 में हिन्दू पुरुष Y से दिल्ली में विवाह किया था । विवाह के तुरन्त बाद X और Y न्यूयार्क चले गए तथा चार साल तक न्यूयार्क में इकट्ठे रहे । उनके यहाँ दो बच्चों ने जन्म लिया, पहले

ने 2005 में तथा दूसरे ने 2008 में । दूसरे बच्चे के जन्म के बाद X 2009 में भारत वापस आ गई तथा उसने पहले बच्चे को दिल्ली पब्लिक स्कूल, दिल्ली में दाखिला दिला दिया । 2010 में Y पिट्सबर्ग चला गया जहाँ वह चार मास तक ठहरा तथा पिट्सबर्ग में तलाक की याचिका फाइल कर दी । पिट्सबर्ग के कानून के अनुसार यदि कोई व्यक्ति 90 दिन तक उस राज्य में निवास करता है तो वह विवाह के विघटन के लिए याचिका फाइल कर सकता है । X ने अपना उत्तर सविरोध भेजा तथा वहाँ के न्यायालय की अधिकारिता को स्वीकार नहीं किया । पिट्सबर्ग के न्यायालय ने Y के पक्ष में विवाह के विघटन की एकपक्षीय डिग्री पारित कर दी । Y ने डिग्री पारित होने के तुरन्त बाद Z से विवाह कर लिया । X द्विविवाह का केस फाइल करना चाहती है । भारत में विदेशों की डिग्री की मान्यता तथा प्रवर्तन सम्बन्धी विधि की व्याख्या करते हुए इस मामले में X के पक्ष में जिरह कीजिए । न्यायिक पूर्वनिर्णयों को निर्दिष्ट कीजिए ।

6. Decide the following applying the relevant rule of Private International Law and refer to judicial decisions :

(*a*) 'A' domiciled in England has immovable properties lying in England and movable properties in India. He had a son 'B' through his first wife before his marriage to 'X'. 'B' was living in India at the time of the death of 'A'. 'B' filed a suit for succession of properties both movable and immovable in India. 'X' challenged the jurisdiction of Indian Courts.

(*b*) Rakesh and Meena were married to each other in 1994 in India and after that went to Ontario..... The son Kush was born to them in Ontario in 1996, After 6 years of marriage Meena brought Kush in India for the education of child. Rakesh filed as petition for divorce and custody of child in court of Ontario claiming that Meena had wrongfully taken the child to India.

He obtained an interim order of custody of child from the court of Ontario, Meena filed a petition in Delhi for restraining Rakesh from taking away the child and contending that Ontario court has no jurisdiction to grant the custody of the child. 20

प्राइवेट अन्तरराष्ट्रीय विधि के सुसंगत नियम को लागू करते हुए निम्नलिखित का विनिश्चय कीजिए तथा न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट कीजिए :

(*a*) इंग्लैंड में अधिवासित A की इंग्लैंड में स्थावर सम्पत्ति तथा भारत में जंगम सम्पत्ति है । X के साथ विवाह से पहले उसका पहली पत्नी से एक पुत्र B था । A की मृत्यु के समय B भारत में रह रहा था । B ने स्थावर तथा जंगम दोनों तरह की सम्पत्तियों के उत्तराधिकार के लिए भारत में वाद फाइल किया । X ने भारतीय न्यायालयों की अधिकारिता को आक्षेपित कर दिया ।

(*b*) राकेश तथा मीना का आपस में 1994 में भारत में विवाह हुआ था । उसके बाद वे ओनटारियो चले गए । उनको ओनटारियो में 1996 में बेटा कुश पैदा हुआ । विवाह के 6 वर्ष बाद मीना अपने बच्चे कुश को शिक्षा के वास्ते भारत ले आई । राकेश ने यह दावा करते हुए ओनटारियो के न्यायालय में तलाक तथा बच्चे की अभिरक्षा हेतु याचिका फाइल कर दी कि मीना दोषपूर्ण तरीके से बच्चे को भारत ले आई । उसने ओनटारियो के न्यायालय से बच्चे की अभिरक्षा का अन्तरिम आदेश प्राप्त कर लिया । मीना ने यह प्रतिवाद करते हुए कि ओनटारिया न्यायालय के पास बच्चे की अभिरक्षा प्रदान करने के लिए कोई अधिकारिता नहीं है, राकेश को बच्चे को ले जाने से अवरुद्ध करने हेतु दिल्ली में याचिका फाइल कर दी ।

7. What are the theoretical models for choice of applicable law in the case of tort. Critically evaluate the double actionability rule under the common law for the choice of applicable law in cases of torts by referring to judicial decisions. Explain the position of choice of law in India in cases of torts with the help of decided cases. 20

अपकृत्य के मामले में लागू होने योग्य विधि के चयन हेतु सैद्धान्तिक मॉडल क्या हैं ? न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट करते हुए अपकृत्य के मामलों में लागू होने योग्य विधि के चयन हेतु कॉमन लॉ के अन्तर्गत दोहरी उपयोज्यता नियम का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए । विनिश्चित केसों की सहायता से अपकृत्य के मामलों में भारत में विधि के चयन की स्थिति की व्याख्या कीजिए ।

8. Write short notes on any *two* : 20

(*i*) Characterisation and Renvoi

(*ii*) Difference between Public International Law and Private International Law

(*iii*) Anti suit injunctions for restraining foreign proceedings by Indian Courts.

निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) चरित्रचित्रण और Renvoi

(*ii*) सार्वजनिक अन्तर्राष्ट्रीय विधि और प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के बीच अन्तर

(*iii*) भारतीय न्यायालयों द्वारा विदेशी कार्यवाहियों को अवरुद्ध करने हेतु वाद रोधी व्यादेश ।